

आइआइएम रांची के एनुअल बिजनेस कॉन्क्लेव रेडिक्स 5.0 का आगाज, दिग्गजों ने कहा

अस्थिरता, अनिश्चितता, जटिलता और अस्पष्टता से निपटने के लिए तैयार रहें

लाइफ रिपोर्टर रांची

आइआइएम रांची का एनुअल बिजनेस कॉन्क्लेव रेडिक्स 5.0 का शानदार आगाज हुआ. देश-दुनिया के बाजार के बदलते परिवेश और संभावनाओं पर वैश्विक विमर्श हुआ. इसका गवाह बना सीएमपीडीआइ का मयूरी प्रेक्षागृह. दो दिनों तक चलनेवाले इस कॉन्क्लेव की शुरुआत शनिवार को हुई. पहले दिन विभिन्न बिजनेस घरानों के छह ओहदेदारों ने भावी मैनेजरों को सफलता के टिप्स दिये. इससे पहले आइआइएम के निदेशक डॉ शैलेंद्र सिंह ने कॉन्क्लेव के बारे में बताया. इस आयोजन के पीछे विद्यार्थियों की मेहनत की तारीफ की. साथ ही रेडिक्स 5.0 की थीम वूका (VUCA) का मतलब बताया. **अस्थिरता (Volatility), अनिश्चितता (Uncertainty), जटिलता (Complexity) और सामान्य परिस्थितियों की अस्पष्टता (Ambiguity).** डॉ शैलेंद्र ने बताया : वूका शब्द अमेरिकी युद्ध से लिया गया है,



सीएमपीडीआइ के मयूरी प्रेक्षागृह में आयोजित रेडिक्स 5.0 में शामिल मैनेजमेंट के स्टूडेंट्स.

जो आज किसी संस्थान की स्थिति पर सटीक बैठता है. उदाहरण देते हुए समझाया : नाविक कभी भी हवा को रोक नहीं सकता. उसे हमेशा अपनी नाव को कुछ ऐसे

संभालना होता है कि परिस्थितियां उसके अनुकूल लगे. विद्यार्थियों से कहा कि हमेशा खुद को अनिश्चितताओं से निपटने के लिए तैयार रखें.

जानने की ललक जरूरी

इंडिया जीइ पावर के जनरल मैनेजर मरिसुंदरम एंथोनी ने इराक युद्ध और 26/11 हमला आदि को जोड़ते हुए वूका वर्ल्ड सिचुएशन को समझाया. साथ ही यह भी समझाया कि भावी मैनेजर के करियर की शुरुआत से ही ऐसी परिस्थिति देखने को मिलेगी. आप सभी को ऐसी परिस्थिति से निकलने के तरीके के बारे में जानने की ललक होनी चाहिए.

मरिसुंदरम एंथोनी, इंडिया जीइ पावर



बैकअप प्लान आवश्यक

विनय गुप्ता, सीआइओ गुप



सीआइओ गुप के सीएफओ विनय गुप्ता ने क्रिकेट वर्ल्ड कप के माध्यम से भावी मैनेजर्स को वूका सिचुएशन के बारे में विस्तार से बताया . इस दौरान इससे संबंधित कई उदाहरण भी दिये . वैश्विक बाजार में 2008 में आयी क्राइसिस को वूका सिचुएशन का सबसे बेहतरीन उदाहरण बताया . विनय गुप्ता ने कहा : हर भावी मैनेजर को इस परिस्थिति से सीख लेनी चाहिए . साथ ही इस बात पर भी जोर दिया कि अगर वैश्विक बाजार में खुद को स्थापित रखना है, तो आपके पास हर

परिस्थिति से निपटने का बैकअप प्लान अवश्य होना चाहिए .

'हम क्या सोचते हैं' महत्वपूर्ण

चैताली मोइत्रा, हार्पर कॉलिस



समस्याओं का निदान पा सकता है .

रेडिक्स 5.0 में हार्पर कॉलिस की मैनेजिंग डायरेक्टर चैताली मोइत्रा ने कहा : वूका जैसी परिस्थिति हर व्यक्ति के जीवन में आती है . ऐसे में एक कॉरपोरेट दुनिया में 'हम कैसे सोचते हैं' से ज्यादा महत्वपूर्ण होता है 'हम क्या सोचते हैं' . उन्होंने भी वूका की उत्पत्ति पर विस्तार से चर्चा करते हुए वर्तमान कॉरपोरेट वर्ल्ड से उसे जोड़ा . चैताली मोइत्रा ने इस बात पर जोर देते हुए अपने शब्दों को विराम दिया कि हर व्यक्ति में ऐसी क्षमता होती है कि वह परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढाल कर

चुनौतियों के लिए हमेशा तैयार रहें

एक्सचेंजर के वाइस प्रेसिडेंट आनंद शर्मा ने स्टूडेंट्स से बातचीत के स्वरूप में अपनी बात रखी . यह भी बताया कि वूका शब्द कहां से आया . आज के संस्थागत वातावरण में इस शब्द की प्रासंगिकता को विद्यार्थियों के समक्ष रखा . वूका शब्द के विस्तार अस्थिरता, अनिश्चितता, जटिलता व सामान्य परिस्थितियों की अस्पष्टता को स्पष्ट किया . इस बात की चर्चा की कि कैसे संगठन वर्तमान में उक्त शब्दों पर विचार करे और किसी व्यक्ति को बाजार की बदलती स्थिति से लड़ने के लिए तैयार करे . कहा : किसी भी कंपनी के लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है निरंतर बदलाव . संगठन को ऐसी परिस्थिति में कैसे खुद को संभाले यह जानने की जरूरत है . कई कंपनियों के उदाहरण भी दिये .

आनंद शर्मा, एक्सचेंजर



डेटा आज की नयी मुद्रा

बालाजी रंगनाथन, फेडलिटी इनवेस्टमेंट



मंत्र है . भावी मैनेजर्स से कहा : कभी भी उन कार्यों से न भागें, जिसमें आपको ग्लैमर नजर नहीं आता है . बाजार की हर परिस्थिति से सीखने का प्रयास करें .

फेडलिटी इनवेस्टमेंट कॉरपोरेट ऑडिट के वाइस प्रेसिडेंट बालाजी रंगनाथन ने डार्विन के सर्वाइवल ऑफ द फिटिस्ट थ्योरी के आधार पर वूका को समझाया . उन्होंने कहा : आज की दुनिया में डेटा नयी मुद्रा बन गयी है . यह समझना होगा कि कैसे इस डेटा को नियंत्रित किया जाये, जो अपने अनुसार वैश्विक बाजार को मोड़ सके . कहा कि बाधाएं नवीनता का मंच बन रही हैं . आखिर में जोर देते हुए इस बात की जानकारी दी कि परिसंपत्ति प्रकाश मॉडल नये जमाने के कॉरपोरेट का

नेटवर्किंग की महत्ता को समझें

अर्चना सहाय, डेल इएमसी



डेल इएमसी की सीएसआर हेड अर्चना सहाय ने वर्तमान वैश्विक बाजार में उद्देश्यपूर्ण नेटवर्किंग की महत्ता को स्पष्ट किया . साथ ही इस बात को भी बताया कि कैसे एक एमबीए अध्ययनरत छात्र समाज की भलाई के लिए भी व्यापार से हट कर कुछ कर सकता है . विशेषकर छात्राओं से कहा : कभी भी अपनी व्यक्तिगत परिस्थिति की वजह से अपने सपने को पूरा होने से न रोकें . आप शादी के बाद भी काफी कुछ सीख सकती हैं .